Daily Gospel Reflections in Hindi

30 August 2019

मारकुस 10 : 35 - 45

First among you must be servant of all

तुम में जो प्रधान बनना चाहता है वह सब का सेवक बने। शायद नेता बनने का यह सूत्र सिर्फ प्रभु येसु ही दे सकते हैं। भला कौन छोटा हो कर नेता बन पाया है। क्या गली में सफाई करने वाले को कोई अपना नेता बना ना चाहेगा? क्या कभी छोटे तबके के कर्मचारी लोगों का नेता बन सका है? पर प्रभु कहते है प्रधान बनने के लिए सब की सेवा करो। अगर कोई इस तरह से नेता बनना चाहे तो प्रभु इस के सर्वोत्म उदाहारण हैं। पर प्रभु ने क्या सेवा किया? उन्होने लोगों की हर जरुरत को अपना समझा और उस की हम संभव सहायता की। प्रभु ने सड़क नहीं बनवाये, ना किसी को कपड़े बांटे, घर बनवा के नहीं दिया, उन्होंने चुनाव नही लड़ा ना भौतिक जरुरतों को पूरा करने का वादा किया। फिर भी वे आज सब के मुख्य है।

प्रभु ने एक नौकरी के लिए सब को बुलाया – मै तुम्हें मनुष्यों का मछुए बनाऊँगा– हमारा काम है प्रभु के लिए आत्माओं को लाना। हमारा वेतन निर्धारित नहीं लेकिन प्रभु ने इस बात का आश्वासन दिया कि मज़दूर को मज़दूरी का अधिकार है। प्रभु ने बस एक वादा किया "कि तुम आज मेरे साथ स्वर्ग में होगें।" अगर हम प्रभु के इस मंत्र के अनुसार चलें तब हम सच्चे अर्थ में लोगों और प्रभु की सेवा कर पायेंगे। हमें बस हर जरुरतमंद को खोजना और हर संभव सहायता करना है यही मार्ग हमें प्रभु के राज्य में बड़ा स्थान दिलायेगा। प्रभु के राज्य में हमारा स्थान मांगने से नहीं लेकिन हमारा काम हमारी मजदूरी तय करेगा।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019